भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- †2943

उत्तर देने की तारीख- 12/12/2024

जनजातीय क्षेत्रों में स्वरोजगार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देना

†2943. श्री ई. टी. मोहम्मद बशीरः

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा जनजातीय क्षेत्रों, विशेषकर पारंपरिक जनजातीय कलाओं, शिल्प और कृषि पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्वरोजगार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए की गई पहलों का ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार द्वारा जनजातीय उत्पादों के विपणन और निर्यात के अवसरों में सुधार लाने के लिए कोई कार्यनीति तैयार की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्य मंत्री

(श्री दुर्गादास उइके)

(क) और (ख): जनजातीय कार्य मंत्रालय ने अपनी एजेंसी अर्थात् भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ (ट्राइफेड) के माध्यम से जनजातीय समुदायों के बीच स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

मंत्रालय ट्राइफेड के माध्यम से 'प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन (पीएमजेवीएम)' योजना को क्रियान्वित कर रहा है, जिसमें जनजातीय उद्यमिता पहल को मजबूत करना और प्राकृतिक संसाधनों के इष्टतम उपयोग , कृषि/लघु वन उपज (एमएफपी)/गैर-कृषि उपज के अधिक कुशल, न्यायसंगत, स्व-प्रबंधित को बढ़ावा देकर आजीविका के अवसरों को सुविधाजनक बनाने की परिकल्पना है। इस योजना के तहत, प्रत्येक वन धन विकास केंद्र (वीडीवीके) की स्थापना के लिए राज्य सरकारों को 15.00 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जो एमएफपी/गैर-एमएफपी की मूल्य संवर्धन गतिविधियों के केंद्र हैं। अब तक देश भर में ट्राइफेड द्वारा 3958 वीडीवीके स्वीकृत किए गए हैं। ट्राइफेड ऑनलाइन और ऑफलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से धातु शिल्प, वस्त्र, आभूषण, पेंटिंग, बेंत और बांस, टेराकोटा और मिट्टी के बर्तन, जैविक और प्राकृतिक खाद्य उत्पादों आदि जैसे विभिन्न श्रेणियों के जनजातीय उत्पादों के विपणन के लिए जनजातीय कारीगरों/आपूर्तिकर्ताओं को बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज भी प्रदान करता है। ट्राइफेड ने जनजातीय उत्पादों की खरीद के लिए अब तक 4990 जनजातीय कारीगरों/आपूर्तिकर्ताओं को सूचीबद्ध किया है। पिछले पांच वर्षों के दौरान, ट्राइफेड ने 130.58 करोड़ रुपये की खरीद की है और 186.02 करोड़ रुपये की बिक्री की है।

इसके अतिरिक्त, ट्राइफेड राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उत्सवों, मेलों, प्रदर्शनियों आदि का आयोजन और उनमें भाग भी लेता है, जिसमें देश भर के आदिवासी कारीगरों द्वारा बनाए गए उत्पादों को उनके प्रचार के लिए प्रदर्शित किया जाता है।

*****